प्रश्नकोश

1. दिसंबर, 1916 में इंडियन नेशनल कांग्रेस तथा इंडियन मुस्लिम लीग ने एक ही समय अपने अधिवेशन आयोजित किए थे–

(a) अलीगढ़ में (b) इलाहाबाद में
(c) लखनऊ में (d) लाहौर में

U.P P.C.S. (Spl.) (Pre) 2004

उत्तर–(c)

दिसंबर, 1916 में इंडियन नेशनल कांग्रेस तथा इंडियन मुस्लिम लीग ने लखनऊ में एक ही समय अपने अधिवेशन आयोजित किए थे। अंबिका चरण मजूमदार ने लखनऊ के इस कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता की थी।

2. 1916 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन की अध्यक्षता की थी–

(a) एनी बेसेंट ने (b) लाला लाजपत राय ने
(c) मोतीलाल नेहरू ने (d) ए.सी. मजूमदार ने

U.P.P.C.S. (Mains) 2006
U.P. P.C.S. (Pre) 2009
U.P.P.C.S. (Mains) 2010
U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच प्रसिद्ध लखनऊ समझौते पर हस्ताक्षर हुआ था–

(a) 1913 में (b) 1914 में
(c) 1915 में (d) 1916 में

U.P. P.C.S. (Mains) 2006
U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर–(d)

वर्ष 1916 में कांग्रेस और मुस्लिम लीग में समझौता हो गया, ताकि संवैधानिक सुधारों की एक ही योजना अपनाई जा सके। इसके फलस्वरूप जारी '19 स्मरण-पत्र' में दोनों दलों के समकालीन राजनैतिक विचारों को साकार रूप दिया गया।

4. अतिवादियों एवं उदारवादियों के पुनर्मिलन की प्रक्रिया में प्रमुख शिल्पी निम्न में से कौन था?

(a) एनी बेसेंट (b) एम.ए. जिन्ना
(c) मैडम कामा (d) फिरोज शाह मेहता

U.P P.C.S. (Pre) 2004

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

वर्ष 1916 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लखनऊ अधिवेशन, जिसकी अध्यक्षता अंबिका चरण मजूमदार ने की थी, दो दृष्टियों से स्मरणीय था। प्रथम–उग्रवादियों, जिन्हें नौ वर्ष पूर्व (1907) कांग्रेस से निष्कासित किया गया था, का कांग्रेस में पुनर्प्रवेश हुआ था। द्वितीय–कांग्रेस और मुस्लिम लीग के मध्य समझौता हुआ था। अतिवादियों एवं उदारवादियों के पुनर्मिलन की प्रक्रिया में एनी बेसेंट एवं तिलक ने महती भूमिका निभाई, जबकि मुहम्मद अली जिन्ना और तिलक कांग्रेस-लीग समझौते के मुख्य शिल्पी थे।

5. वर्ष 1916 में मुस्लिम लीग और कांग्रेस के मध्य किसने समझौता कराया था?

(a) बी.जी. तिलक ने (b) गोखले ने
(c) एनी बेसेंट ने (d) जे.एल. नेहरू ने

U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. कांग्रेस के 1916 के लखनऊ अधिवेशन में कौन-सा मुख्य दूरगामी परिणाम वाला निर्णय लिया गया था?

(a) मुस्लिम लीग की पृथक निर्वाचन क्षेत्र की मांग स्वीकार की
(b) कांग्रेस और मुस्लिम लीग का अस्थायी विलय हो गया
(c) कांग्रेस का अध्यक्ष एक मुस्लिम व्यक्ति चुना गया
(d) इनमें से कोई नहीं

M.P P.C.S. (Pre)1994

उत्तर–(a)

लखनऊ समझौते (1916) के तहत कांग्रेस ने मुसलमानों के लिए प्रथम बार पृथक निर्वाचक मंडल की मांग को स्वीकार कर लिया, जो मुस्लिम लीग के लिए एक सकारात्मक उपलब्धि थी, क्योंकि कांग्रेस अब तक इसका विरोध करती आ रही थी। डॉ. रमेश चंद्र मजूमदार ने लखनऊ समझौते की कटु आलोचना करते हुए लिखा है कि "परवर्ती घटनाओं की पृष्ठभूमि में निःसंदेह रूप से यह कहा जा सकता है कि वर्ष 1916 में कांग्रेस द्वारा लखनऊ समझौता करने के निर्णय ने वस्तुतः वह नींव डाली, जिसके ऊपर तीस वर्षों बाद पाकिस्तान का निर्माण किया गया। लखनऊ समझौते ने भावी राजनीति में सांप्रदायिकता के उदय का भी मार्ग प्रशस्त किया।"

7. कांग्रेस ने प्रथम बार मुस्लिम समुदाय के लिए पृथक निर्वाचन प्रणाली स्वीकार की, वह वर्ष था–

(a) 1909 (b) 1916
(c) 1931 (d) 1932

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. इंडियन नेशनल कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच मतैक्य का काल निम्न में से कौन प्रदर्शित करता है?

(a) 1906-1911 (b) 1916-1922
(c) 1917-1921 (d) 1940-1946

U.P. P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(b)

वर्ष 1916 से 1922 तक का काल इंडियन नेशनल कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच मतैक्य का काल था। लखनऊ समझौता केवल एक अस्थायी समझौता था। मुस्लिम लीग ने इस समझौते के बावजूद पृथक अस्तित्व बनाए रखा तथा वह मुसलमानों के लिए पृथक राजनीतिक अधिकारों की वकालत करती रही। वर्ष 1922 तक दोनों इस समझौते के अनुरूप मिलकर कार्य करते रहे, किंतु असहयोग आंदोलन के साथ ही यह समझौता भंग हो गया और लीग ने पुनः अपना पुराना रास्ता पकड़ लिया।

9. निम्नलिखित में से कौन 1916 के लखनऊ के कांग्रेस अधिवेशन के विषय में असत्य है?

(a) अंबिका चरण मजूमदार ने इसकी अध्यक्षता नहीं की थी।
(b) इस अधिवेशन में उदारवादियों और उग्रवादियों के बीच पुनः मेल स्थापित हुआ था।
(c) महात्मा गांधी पहली बार चंपारण के किसानों की समस्याओं से अवगत कराए गए।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

U.P. P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(a)

वर्ष 1916 के लखनऊ के कांग्रेस अधिवेशन में तिलक को पुनः कांग्रेस में शामिल कर लिया गया। अध्यक्ष अंबिका चरण मजूमदार ने कहा "10 वर्षों के दुःखद अलगाव तथा गलतफहमी के कारण बेवजह के विवादों में भटकने के बाद भारतीय राष्ट्रीय दल के दोनों खेमों (उदारवादियों एवं उग्रवादियों) ने अब यह महसूस किया है कि अलगाव उनकी पराजय है और एकता उनकी जीत। अब भाई-भाई फिर मिल गए हैं।" कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में ही महात्मा गांधी से राजकुमार शुक्ल की मुलाकात हुई थी, जिन्होंने उन्हें चंपारण के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। अतः विकल्प (a) का कथन असत्य है, जबकि (b) और (c) के कथन सही हैं।

10. निम्नलिखित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के किस अधिवेशन में महात्मा गांधी को चंपारण के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया गया था?

(a) बनारस अधिवेशन, 1905 (b) कलकत्ता अधिवेशन, 1906

Scanned with OKEN Scanner

(c) सूरत अधिवेशन, 1907 (d) लखनऊ अधिवेशन, 1916

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

होमरूल लीग आंदोलन

नोट्स

***अप्रैल, 1916 में तिलक** ने एवं **सितंबर, 1916 में एनी बेसेंट** ने अपनी-अपनी **होमरूल लीग की स्थापना** की। * **बेसेंट ने 'कॉमनवील'** और **'न्यू इंडिया'** तथा **तिलक ने 'मराठा'** और **'केसरी'** के माध्यम से अपनी-अपनी लीग का प्रचार किया। * तिलक द्वारा स्थापित होमरूल लीग के **प्रथम अध्यक्ष जोसेफ बैपटिस्टा** तथा **सचिव एन.सी. केलकर** थे। * जबकि एनी बेसेंट द्वारा स्थापित लीग के **सचिव जॉर्ज अरुंडेल** थे। *तिलक और एनी बेसेंट ने अपने-अपने कार्यक्षेत्रों का बंटवारा भी कर दिया। *तिलक के लीग के जिम्मे कर्नाटक, महाराष्ट्र (बंबई को छोड़कर), मध्य प्रांत एवं बरार थे। *देश के शेष हिस्से एनी बेसेंट की लीग के जिम्मे आए। * दोनों लीगों ने अपना **विलय नहीं** किया, क्योंकि **एनी बेसेंट के शब्दों में,** "उनके (तिलक) कुछ समर्थक मुझे पसंद नहीं करते और मेरे कुछ समर्थक उन्हें नापसंद करते थे। लेकिन मेरे और उनके बीच किसी तरह का कोई झगड़ा नहीं था।" *होमरूल आंदोलन के दोनों नेताओं तिलक एवं एनी बेसेंट की निगाह में **स्वराज का अर्थ** करीब एक जैसा ही था–ब्रिटिश साम्राज्य के अंतर्गत स्थानीय, प्रांतीय एवं केंद्रीय स्तर पर उत्तरदायी शासन एवं प्रशासन की अधिकाधिक व्यवस्था की जाए, जैसी गोरों द्वारा शासित डोमिनियम दर्जा प्राप्त अन्य ब्रिटिश उपनिवेशों में थी, यथा-कनाडा एवं ऑस्ट्रेलिया में। *होमरूल आंदोलन की व्याख्या 2 जनवरी, 1914 को अपने पत्र **कॉमनवील** में **एनी बेसेंट** ने की थी, जिसमें ब्रिटिश साम्राज्य के अंतर्गत स्वशासन के उद्देश्य को ध्यान में रखकर धार्मिक स्वतंत्रता, राष्ट्रीय शिक्षा तथा सामाजिक और राजनीतिक सुधारों को आधारभूत कार्यक्रम बनाया गया था। * भारत में यह आंदोलन प्रथम विश्व युद्ध के दौरान काफी लोकप्रिय रहा। *वर्ष 1916 का लखनऊ अधिवेशन होमरूल लीग के सदस्यों के लिए अपनी ताकत दिखाने का अच्छा मौका था। * उनके समर्थकों ने लखनऊ पहुंचने के लिए एक ट्रेन आरक्षित की, जिसे कुछ लोगों ने **'कांग्रेस स्पेशल'** का नाम दिया, तो कुछ ने **'होमरूल स्पेशल'** कहा। * बेसेंट की लीग के संगठन मंत्री जॉर्ज अरुंडेल ने लीग के हर सदस्य से कहा था कि वह लखनऊ अधिवेशन में शामिल होने की हर संभव कोशिश करे। *थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना 1875 ई. में अमेरिका में मैडम ब्लावेट्स्की तथा कर्नल अल्कॉट ने की थी। * एनी बेसेंट 1889 ई. में इसकी सदस्या बनीं।

प्रश्नकोश

1. होमरूल लीग आंदोलन सर्वप्रथम किसने आरंभ किया?
   (a) एनी बेसेंट (b) सरोजिनी नायडू
   (c) सुरेंद्रनाथ बनर्जी (d) तिलक

U.P P.C.S. (Pre) 1991
U.P P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर–(a)

भारत में होमरूल लीग आंदोलन सर्वप्रथम एनी बेसेंट ने प्रारंभ किया था, यद्यपि होमरूल लीग की स्थापना सर्वप्रथम (अप्रैल, 1916 में) तिलक ने की थी।

2. 1915-16 में दो होमरूल लीग आरंभ की गई थी, नेतृत्व में–
   (a) तिलक एवं एनी बेसेंट के
   (b) तिलक एवं अरबिंद घोष के
   (c) तिलक एवं लाला लाजपत राय के
   (d) तिलक एवं बिपिन चंद्र पाल के

U.P U.D.A./L.D.A. (Pre) 2001

उत्तर–(a)

अप्रैल, 1916 में तिलक ने एवं सितंबर, 1916 में एनी बेसेंट ने अपनी-अपनी होमरूल लीग की स्थापना की। बेसेंट ने 'कॉमनवील' और 'न्यू इंडिया' तथा तिलक ने 'मराठा' और 'केसरी' के माध्यम से अपनी-अपनी लीग का प्रचार किया।

3. एनी बेसेंट मुख्यतः संबद्ध रही हैं–
   (a) सविनय अवज्ञा आंदोलन से
   (b) गृहशासन आंदोलन से
   (c) खिलाफत आंदोलन से
   (d) असहयोग आंदोलन से

U.P P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर–(b)

एनी बेसेंट मुख्यतः गृहशासन (होमरूल) आंदोलन से संबद्ध थीं। भारत में होमरूल लीग की स्थापना की योजना मूलतः एनी बेसेंट द्वारा ही बनाई गई थी। होमरूल आंदोलन की व्याख्या 2 जनवरी, 1914 को अपने पत्र कॉमनवील में एनी बेसेंट ने की थी, जिसमें ब्रिटिश साम्राज्य के अंतर्गत स्वशासन के उद्देश्य को ध्यान में रखकर धार्मिक स्वतंत्रता, राष्ट्रीय शिक्षा तथा सामाजिक और राजनीतिक सुधारों को आधारभूत कार्यक्रम बनाया गया था। भारत में यह आंदोलन प्रथम विश्व युद्ध के दौरान काफी लोकप्रिय रहा।

Scanned with OKEN Scanner

4. प्रथम विश्व युद्ध के दौरान आंदोलन जो भारत में लोकप्रिय हुआ था, वह था—
(a) स्वदेशी एवं बहिष्कार आंदोलन
(b) होमरूल आंदोलन
(c) पृथकतावादी आंदोलन
(d) स्वराजिस्ट पार्टी आंदोलन

U.P. Lower Sub. (Pre) 2008

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. निम्नलिखित में किसका योगदान होमरूल लीग की स्थापना में नहीं था?
(a) बाल गंगाधर तिलक (b) एनी बेसेंट
(c) एम. सुब्रह्मण्यम अय्यर (d) टी. एस. अल्कॉट

40th B.P.S.C. (Pre) 1995

उत्तर—(d)

टी. एस. अल्कॉट होमरूल लीग से नहीं, बल्कि थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना से संबद्ध थे। तिलक ने अप्रैल, 1916 और एनी बेसेंट ने सितंबर, 1916 में होमरूल लीग को आरंभ किया। एस. सुब्रह्मण्यम अय्यर भी एनी बेसेंट की होमरूल लीग की स्थापना से संबद्ध थे।

6. निम्नलिखित में से कौन होमरूल आंदोलन से नहीं जुड़ा था?
(a) सी.आर. दास (b) एस. सुब्रह्मण्यम अय्यर
(c) एनी बेसेंट (d) बी.जी. तिलक

U.P. P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. किस अधिवेशन में होमरूल समर्थक अपनी राजनीतिक शक्ति का सफलतापूर्वक प्रदर्शन कर सके?
(a) कांग्रेस का 1916 का लखनऊ अधिवेशन
(b) 1920 का बंबई में होने वाला ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन अधिवेशन
(c) 1918 में होने वाली प्रथम यू.पी. किसान सभा
(d) 1938 में नागपुर का संयुक्त ए.आई.टी.यू.सी. और एन.एफ. टी.यू. सभा

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर—(a)

वर्ष 1916 के लखनऊ अधिवेशन में होमरूल लीग के सदस्यों ने अपनी राजनीतिक शक्ति का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया।

8. होमरूल आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम के एक नए चरण के आरंभ का द्योतक था, क्योंकि—
(a) इसने देश के सामने स्वशासन (Self-government) की एक ठोस योजना रखी।
(b) आंदोलन का नेतृत्व गांधीजी के हाथ में आ गया।
(c) हिंदुओं और मुसलमानों ने एक संयुक्त संघर्ष प्रारंभ किया।
(d) इसने अतिवादियों और उदारवादियों के बीच पुनर्मेल स्थापित किया।

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर—(a)

होमरूल आंदोलन के दोनों नेताओं तिलक एवं एनी बेसेंट की निगाह में स्वराज का अर्थ करीब एक जैसा ही था—ब्रिटिश साम्राज्य के अंतर्गत स्थानीय, प्रांतीय एवं केंद्रीय स्तर पर उत्तरदायी शासन एवं प्रशासन की अधिकाधिक व्यवस्था की जाए।

9. होमरूल लीग के संबंध में निम्नलिखित में से क्या असत्य है?
(a) सबसे पहले इसकी योजना एनी बेसेंट ने वर्ष 1914-15 में प्रस्तुत की थी।
(b) तिलक की होमरूल लीग महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रांत एवं बरार तक सीमित थी।
(c) तिलक द्वारा स्थापित होमरूल लीग अधिक शक्तिशाली थी।
(d) तिलक और बेसेंट के मतभेदों के उपरांत दोनों लीग बनी रही।

U.P P.C.S. (Pre) 2004

उत्तर—(*)

मूलतः होमरूल लीग की स्थापना करने के संबंध में योजना एनी बेसेंट ने बनाई थी। स्वशासन आंदोलन का शुभारंभ 2 जनवरी, 1914 को साप्ताहिक समीक्षा पत्रिका कॉमनवील के प्रकाशन के साथ शुरू हुआ। इस पत्रिका ने ब्रिटिश साम्राज्य के अंतर्गत स्वशासन के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, धार्मिक स्वतंत्रता, राष्ट्रीय शिक्षा, सामाजिक और राजनैतिक सुधारों को अपना आधारभूत कार्यक्रम बनाया। इस कार्यक्रम के अनुसरण हेतु दो पृथक होमरूल लीगों की स्थापना की गई, दोनों लीगें एक-दूसरे की पूरक थीं। अप्रैल, 1916 में तिलक ने 'इंडियन होमरूल लीग' की स्थापना की और उसके 5 माह बाद सितंबर, 1916 में श्रीमती एनी बेसेंट ने होमरूल लीग स्थापित की। तिलक की लीग कर्नाटक, महाराष्ट्र (बंबई छोड़कर), मध्य प्रांत और बरार की 6 शाखाओं तक सीमित थी। देश के बाकी हिस्से एनी बेसेंट की लीग के जिम्मे आए। बेसेंट की लीग का संगठन बहुत ढीला था कोई भी तीन व्यक्ति कहीं भी शाखा खोल सकते थे, जबकि तिलक की लीग का संगठन बहुत मजबूत था, सभी छः शाखाओं के काम और कार्य क्षेत्र निर्धारित थे। दोनों लीगों ने अपना विलय नहीं किया, क्योंकि

Scanned with OKEN Scanner

एनी बेसेंट के शब्दों में, "उनके (तिलक) कुछ समर्थक मुझे पसंद नहीं करते और मेरे कुछ समर्थक उन्हें नापसंद करते थे। लेकिन मेरे और उनके बीच किसी तरह का कोई झगड़ा नहीं था।" इस प्रकार तिलक एवं बेसेंट में मतभेद नहीं थे।

10. तिलक तथा एनी बेसेंट द्वारा बनाए गए होमरूल लीगों को एक में मिला दिया गया था–

(a) 1916 में (b) 1918 में
(c) 1920 में (d) 1923 में

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर–(*)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. निम्न में से कौन फेबियन आंदोलन का प्रस्तावक था?

(a) एनी बेसेंट (b) ए.ओ. ह्यूम
(c) माइकल मधुसूदन दत्त (d) आर. पाम दत्त

I.A.S. (Pre) 2005

उत्तर–(a)

एनी बेसेंट (1847-1933 ई.) फेबियन आंदोलन की प्रस्तावक थीं।

12. एनी बेसेंट–

1. होमरूल आंदोलन प्रारंभ करने के लिए उत्तरदायी थीं।
2. थियोसोफिकल सोसाइटी की संस्थापिका थीं।
3. इंडियन नेशनल कांग्रेस की एक बार अध्यक्षा थीं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही कथन/कथनों को चुनिए।

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2, और 3

I.A.S. (Pre) 2013

उत्तर–(c)

भारत में होमरूल आंदोलन प्रारंभ करने के लिए एनी बेसेंट ही उत्तरदायी रहीं। एनी बेसेंट ने सितंबर, 1916 में मद्रास में होमरूल लीग की स्थापना की। हालांकि इससे पहले तिलक ने अप्रैल, 1916 में पूना में होमरूल लीग की स्थापना की थी, फिर भी दोनों आपसी सहयोग से अलग-अलग क्षेत्र में काम करते रहे। होमरूल आंदोलन का मुख्य उद्देश्य संवैधानिक तरीकों से स्वशासन प्राप्त करना था। एनी बेसेंट को इंडियन नेशनल कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन (दिसंबर, 1917) की प्रथम महिला अध्यक्षा चुना गया।
थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना 1875 ई. में अमेरिका में मैडम ब्लावेट्स्की तथा कर्नल अल्कॉट ने की थी। एनी बेसेंट 1889 ई. में इसकी सदस्या बनीं। इस प्रकार कथन 1 तथा 3 सही हैं, जबकि कथन 2 गलत है।

13. 1920 में निम्नलिखित में से किसने अपना नाम परिवर्तित कर "स्वराज्य सभा" रख लिया?

(a) ऑल इंडिया होमरूल लीग
(b) हिंदू महासभा
(c) साउथ इंडियन लिबरल फेडरेशन
(d) द सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी

I.A.S. (Pre) 2018

उत्तर–(a)

होमरूल आंदोलन, अखिल भारतीय होमरूल लीग, एक राष्ट्रीय राजनीतिक संगठन था, जिसकी स्थापना एनी बेसेंट द्वारा सितंबर, 1916 में किया गया था। तिलक की इंडियन होमरूल लीग कर्नाटक, महाराष्ट्र (बंबई छोड़कर), मध्य प्रांत और बरार की 6 शाखाओं तक सीमित थी। देश के बाकी हिस्से एनी बेसेंट की लीग के जिम्मे आए। लीग का उद्देश्य ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन रहते हुए संवैधानिक तरीके से स्वशासन को प्राप्त करना था। अप्रैल, 1920 में अखिल भारतीय होमरूल लीग ने महात्मा गांधी को इसके अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया और महात्मा गांधी ने इसका नाम परिवर्तित कर 'स्वराज्य सभा' (Assembly) रखा।

गांधी एवं उनके प्रारंभिक आंदोलन

नोट्स

***मोहनदास करमचंद गांधी** का **जन्म 2 अक्टूबर, 1869** को गुजरात के **पोरबंदर** नामक स्थान पर हुआ। * उनकी प्रारंभिक शिक्षा राजकोट में हुई। * महात्मा गांधी का अल्पायु (13 वर्ष) में ही **कस्तूरबा गांधी के साथ विवाह** हुआ था। * उन्होंने द इनर टेम्पुल, लंदन से बैरिस्टरी का प्रशिक्षण लिया था। ***करमचंद गांधी पोरबंदर, वंकानेर** (Wankaner) एवं **राजकोट** राज्यों के **दीवान** थे। * ये गांधीजी के पिता थे। * इनका **उपनाम कबा** (Kaba) **गांधी** था। ***गांधीजी** ने दक्षिण अफ्रीका में **1894 ई. में 'नटाल इंडियन कांग्रेस' की स्थापना** की और दक्षिण अफ्रीका के लंबे आंदोलन के दौरान कई बार जेल की यात्रा की। * अपने सहयोगियों की सहायता से उन्होंने **'टॉलस्टॉय फॉर्म'** की स्थापना की और वहीं रहने लगे। * दक्षिण अफ्रीका में उन्होंने **'इंडियन ओपिनियन'** नामक **अखबार** निकाला (यह **गुजराती, हिंदी, तमिल और अंग्रेजी में प्रकाशित** होता था)। *महात्मा गांधी ने **फीनिक्स** (डरबन, दक्षिण अफ्रीका) में वर्ष **1904 में एक आश्रम स्थापित** किया। * फीनिक्स आश्रम को 27 फरवरी, 2000 को दोबारा खोला गया है। * **फीनिक्स महात्मा गांधी द्वारा स्थापित प्रथम आश्रम** था। *इनके विचारों में आदर्शवाद की बजाए व्यावहारिक आदर्शवाद पर अत्यधिक जोर दिया गया है। * मार्क्स की तरह गांधीजी भी राज्य को हटाने की इच्छा रखते थे तथा उन्होंने स्वयं को **'दार्शनिक अराजकतावादी'**

Scanned with OKEN Scanner